Forestry and Environment Awareness Camp at MaghMelaPrayagraj

A "Forestry and Environment Awareness Camp" of Forest Research Centre for Eco-Rehabilitation, Prayagraj under the AzadiKaAmritMahotsav Program was inaugurated on 27th January 2022 at MaghMela, Prayagraj by Dr. Sanjay Singh, Scientist-G & Head, FRCER in the presence of senior scientists, staff, scholars and visitors.

Addressing the dignitaries present at the inaugural function, Dr. Singh said that in the 15-day long camp, several programs will be organized to showcase the advanced forestry techniques of the ICFRE Dehradun. Dr. Anita Tomar, Scientist-F stressed on adopting agro-forestry, in which species like Poplar, Eucalyptus,*Meliadubia* etc. should be included. Information on

useful medicinal plants and bamboo species grown in Uttar Pradesh was provided by Sh. AlokYadav, Scientist-E.

The camp also has an exhibition in which the models prepared by the research students under the guidance of various scientists on various aspects of forestry have been put for the visitors. These models were selected under a ‘Scientific Models on Forestry and Environment Competition’ held on the eve of Republic Day-2022.

The seedlings of forestry species/medicinal plants and publications of FRCER have also been showcased in the Exhibition which is being visited by the pilgrims and mela visitors in large numbers.

माघ मेला प्रयागराज – 2022
वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)
3/1, लाजपत राय रोड, नया कटरा, प्रयागराज । दूरभाष : 0532-2440795, 2440796

वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर
कृषिवानिकी

पॉपलर : आर्थिक समृद्धि में भूमिका
फ्लेमेंजिया सेमियालाटा पर लाख की खेती

वानिकी प्रसार हेतु प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर का उद्घाटन

बालजी न्यूज

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा विगत वर्षों की भांति माघमेला क्षेत्र में वानिकी प्रसार हेतु प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिकों की उपस्थिति में किया गया। केन्द्र प्रमुख डा0 सिंह ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित गणमान्यों को सम्बोधित करते हुए बताया कि 15 दिनों तक चलने वाले शिविर में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उन्नत वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर द्वारा कृषि वानिकी अपनाने पर बल दिया गया जिसमें पॉपलर, यूकेलिप्टस मीलिया-डूबिया आदि प्रजातियां शामिल की जाए। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बांस की प्रजातियों पर जानकारी दी। केन्द्र में मॉडल प्रतियोगिता के अन्तर्गत विभिन्न वैज्ञानिकों के निर्देशन में शोध छात्रों द्वारा तैयार किये गये मॉडलों को प्रदर्शन शिविर में लगाया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डो अनीता तोमर के निर्देशन में रतन गुप्ता, तकनीकी अधिकारी द्वारा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कार्यालय के विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मॉडल प्रतियोगिता के अंतर्गत शोधछात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल तैयार किये गये। प्रतियोगिता के अंतर्गत विजेताओं का चयन न्याय मण्डल के सदस्य प्रवीण शेखर, डा0 अर्पणा पाण्डेय, धर्मेन्द्र कुमार तथा डा0 रूची मित्तल द्वारा दिये गये निर्णय के अनुसंशा पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार कमश: डा0 अनुभा श्रीवास्तव एवं टीम को कृषिवानिकी मॉडल, डा0 अनीता तोमर एवं टीम को मॉडल नर्सरी, डा0 कुमुद दूबे एवं टीम को महुआ एवं मीलिया कृषिवानिकी व सामाजिक वानिकी तथा अलोक यादव एवं टीम को बाँस उत्पाद के लिए दिया गया। विजेताओं की घोषणा दिनांक 26.01.2022 को गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण तथा राष्ट्रगान के पश्चात की गयी। इस शुभ अवसर पर मुख्यालय की अनुशंसा पर केन्द्र द्वारा क्रमश: बैडमिंटन, कैरम बोर्ड, शतरंज जैसे आदि खेलों का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्र के सभी अधिकारी / कर्मचारी, शोधछात्र तथा अन्य कर्मचारियों द्वारा बढ़चढ़कर हिस्सा लिया गया।

माघ मेला में वानिकी प्रसार के लिए शिविर का हुआ उद्घाटन

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा गुरूवार को वानिकी प्रसार हेतु 'प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर' का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों की उपस्थिति में किया। केन्द्र प्रमुख ने बताया कि 15 दिनों तक चलने वाले शिविर में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उन्नत वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने कृषि वानिकी अपनाने पर बल दिया। जिसमें पॉपलर, यूकेलिप्टस मीलिया-डूबिया आदि प्रजातियां शामिल की जाए। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बांस की प्रजातियों पर जानकारी दी। केन्द्र में मॉडल प्रतियोगिता के अन्तर्गत विभिन्न वैज्ञानिकों के निर्देशन में शोध छात्रों द्वारा तैयार किये गये मॉडलों को प्रदर्शन शिविर में लगाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनीता तोमर के निर्देशन में रतन गुप्ता, तकनीकी अधिकारी द्वारा सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कार्यालय के विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

इस दौरान पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा गणतंत्र दिवस पर मॉडल प्रतियोगिता के अंतर्गत शोधछात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल तैयार किये गये थे। प्रतियोगिता के अंतर्गत विजेताओं का चयन न्याय मण्डल के सदस्य प्रवीण शेखर, डॉ अर्पणा पाण्डेय, धर्मेन्द्र कुमार तथा डॉ रूची मित्तल द्वारा दिये गये निर्णय पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार कमशः डॉ अनुभा श्रीवास्तव एवं टीम को कृषि वानिकी मॉडल, डॉ अनीता तोमर एवं टीम को मॉडल नर्सरी, डॉ कुमुद दूबे एवं टीम को महुआ एवं मीलिया कृषि वानिकी व सामाजिक वानिकी तथा अलोक यादव एवं टीम को बाँस उत्पाद के लिए दिया गया।

प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर का उद्‌घघाटन

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा विगत वर्षों

की भांति माघमेला क्षेत्र में वानिकी प्रसार हेतु 'प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर' का उद्घाटन केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिकों की उपस्थिति में किया गया। केन्द्र प्रमुख डा0 सिंह ने उदघघाटन समारोह में उपस्थित गणमान्यों को सम्बोधित करते हुए बताया कि 15 दिनों तक चलने वाले शिविर में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उनन्त वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर द्वारा कृषि वानिकी अपनाने पर बल दिया गया जिसमें पॉपलर, यूकेलिप्टस मीलिया-डूबिया आदि प्रजातियां शामिल की जाए। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बांस की प्रजातियों पर जानकारी दी। केन्द्र में मॉडल प्रतियोगिता के अन्तर्गत विभिन्न वैज्ञानिकों के निर्देशन में शोध छात्रों द्वारा तैयार किये गये मॉडलों को प्रदर्शन शिविर में लगाया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर के निर्देशन में रतन गुप्ता, तकनीकी अधिकारी द्वारा सफलता पूर्वक सम्पनन्न हुआ। कार्यक्रम में कार्यालय के विभिनन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मॉडल प्रतियोगिता के अंतर्गत शोधछात्रों द्वारा विभिनन्न विषयों पर आधारित मॉडल तैयार किये गये। प्रतियोगिता के अंतर्गत विजेताओं का चयन न्याय मण्डल के सदस्य प्रवीण शेखर, डा0 अर्पणा पाण्डेय, धर्मेन्द्र कुमार तथा डा0 रूची मित्तल द्वारा दिये गये निणन्य के अनुसंशा पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार कमशः डा0 अनुभा श्रीवास्तव एवं टीम को कृषिवानिकी मॉडल, डा0 अनीता तोमर एवं टीम को मॉडल नर्सरी, डा0 कुमुद दूबे एवं टीम को महुआ एवं मीलिया कृषिवानिकी व सामाजिक वानिकी तथा अलोक यादव एवं टीम को बाँस उत्पाद के लिए दिया गया। विजेताओं की घोषणा दिनांक 26.01.2022 को गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण तथा राष्ट्रगान के पश्चात की गयी। इस शुभ अवसर पर मुख्यालय की अनुशंसा पर केन्द्र द्वारा क्रमशः बैडमिंटन, कैरम बोर्ड, शतरंज जैसे आदि खेलों का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्र के सभी अधिकारी / कर्मचारी, शोधछात्र तथा अन्य कर्मचारियों द्वारा बढ़चढ़कर हिस्सा लिया गया ।

माघ मेला में वानिकी प्रसार के लिए शिविर का उद्‌घाटन

प्रयागराज(नि.सं.)। माघ मेला क्षेत्र में पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा गुरूवार को वानिकी प्रसार हेतु 'प्रदर्शन एवं जागरूकता शिविर' का उदघाटन केन्द्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों की उपस्थिति में किया। केन्द्र प्रमुख ने बताया कि 15 दिनों तक चलने वाले शिविर में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की उनन्त वानिकी तकनीकों का प्रदर्शन करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने कृषि वानिकी अपनाने पर बल दिया। जिसमें पॉपलर, यूकेलिप्टस मीलिया-डूबिया आदि प्रजातियां शामिल की जाए। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने उत्तर प्रदेश में उगाये जाने योग्य उपयोगी औषधीय पौधों तथा बांस की प्रजातियों पर जानकारी दी। केन्द्र में मॉडल प्रतियोगिता के अन्तर्गत विभिनन्न वैज्ञानिकों के निर्देशन में शोध छात्रों द्वारा तैयार किये गये मॉडलों को प्रदर्शन शिविर में लगाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनीता तोमर के निर्देशन में रतन गुप्ता, तकनीकी अधिकारी द्वारा सम्पनन्न हुआ। कार्यक्रम में कार्यालय के विभिनन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

इस दौरान पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा गणतंत्र दिवस पर मॉडल प्रतियोगिता के अंतर्गत शोधछात्रों द्वारा विभिनन्न विषयों पर आधारित मॉडल तैयार किये गये थे। प्रतियोगिता के अंतर्गत विजेताओं का चयन न्याय मण्डल के सदस्य प्रवीण शेखर, डॉ अर्पणा पाण्डेय, धर्मेन्द्र कुमार तथा डॉ रूची मित्तल द्वारा दिये गये निणन्य पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार कमशः डॉ अनुभा श्रीवास्तव एवं टीम को कृषि वानिकी मॉडल, डॉ अनीता तोमर एवं टीम को मॉडल नर्सरी, डॉ कुमुद दूबे एवं टीम को महुआ एवं मीलिया कृषि वानिकी व सामाजिक वानिकी तथा अलोक यादव एवं टीम को बाँस उत्पाद के लिए दिया गया।